

الأرشمندريت شنودة الأديبي

د. إبراهيم ساويرس



Universiteit Leiden

المحتويات

١- شنودة تاريخه وشخصيته.

٢- شنودة تراثه الأدبي.

٣- العظة المقررة:

٣-١- المخطوطات.

٣-٢- النشرات.

٣-٣- الترجمات.

٣-٤- الدراسة اللغوية.



١- شنودة تاريخه وشخصيته

- الميلاد: أبيب ٣٤٦م.
- النياحة: أبيب ٤٥٦م.
- ترهب عند خاله بجول في سن مبكرة جدا.
- بعد خاله بجول ترأس الدير إبونه، ثم شنودة عام ٣٨٥م.
- الدخول في صراعات مع الجميع من أجل إصلاح مسار الدير.
- حمل ألقاب عدة أهمها "النبي".
- راهب ناسك - كاهن قديس - إداري ناجح.
- المشاركة في مجمع أفسس ٤٣١م.
- دخوله في صراعات لاهوتية.

٢- شنودة تراثه الأدبي.

- مجموعة العظات: ثمانية مجموعات.
- مجموعة القوانين: تسعة مجموعات.
- مجموعة الرسائل.
- مجموعة المتفرقات.
- عشرة آلاف صفحة موزعة في ٣٥٠ مخطوط.
- أبرع من كتب القبطية، وأفصح من تكلم بها.
- يمتاز بالجملة الطويلة المسهبة.

٣- العظة المقررة

- مهاجمة ما تبقي من وثنية.
- جيسيوس: ما له وما عليه.
- كتبت حوالي عام ٤٠٠م.
- محفوظة في مخطوطين صعيدين وقد تم نشرها مسبقا.

Leipoldt – Chassinat – Barns

N. X. O. C. X.
 T. Y. C. T. T.
 E. A. X. E. L. L. I. N.
 H. H. A. L. V. N.
 Z. W. A. T. E. I. S. E.
 N. A. W. C. T. T. E.
 X. U. T. Y. U. K. U.
 U. T. N. O. Y. T. E.

[illegible]

TRANSICIONAI
BEPIC TETICKO
TIOCKEQUINN
TETIC ETATET
TICNIPKOTE
TIA TANNICOC
NTEREPCOTU
XELCIIU Y

O CTWNT
 WUCET
 NANOY
 UTOGET
 OYLLR. EY
E CTWNT
 IFE
 XHGEN
 TFEHET
 TFEHY
 ECTWNT
 HEINIAWK
 ECTWNT
 NQKANN
 DITETENEY
 THITAN E
 TTPXETTEY
 OGENECBOY
 NOYOYNOY
 NOYUT
N CTWNT
 ETONOCNE

35 ΕΡΩΑΝΤΒΑΩΡ
ΑΩΚΑΚΕΒΟΛ
ΑΝΕΤΕΝΤΟΚ
ΠΕΠ2Μ2ΑΛΜ
ΠΜΑΜΜΩΝΑΣ
40 2Ν2ΕΝ2ΡΟΟΥ
ΕΥΟΩ , ΕΡΕ
ΠΜΟΥΙΤΡΡΕ
ΕΤΕΑΝΟΚΠΕ
Π2Μ2ΑΛΜΠΕ
45 ΧC, †CΟΟΥΝ
ΧΕΕΚ†ΟΥΒΗΙ
ΑΝ, ΑΛΛΑΕΚ†
ΟΥΒΕΙCΕΤΟΥ
Η22ΝΝΕΧΡΕΙ

CTIANOC̄ , IC̄
ON̄PΩΩEEROK
N̄TOKM̄NPEK
EIŌTPΔIABO
5 ΛOC̄ETOYH̄2
N̄2HT̄KET̄K
2EΛΠIZĒEPO4,
N̄TOOY2ΩOY
M̄NPEYEŌT̄
10 ETOYH̄2N̄2H
TOYIC̄ETOYKΩ̄
N̄2THYEP04,
M̄M̄NTEPΩME
EOȲN̄T̄4IC̄M̄

30 ΝΘΕΓΑΡΕΤΕΜΗ
ΜΗΤΛΗΣΤΗΣ
ΨΟΟΠΗΝΕΤΕ
ΟΥΗΤΑΥΙΣΖΗΟΥ
ΜΕΚΑΤΑΠΕΝ
35 ΤΑΚΧΟΟΧΕΡΟΙ
ΕΒΟΛΧΕΛΙΧΗ
ΗΝΕΚΝΟΥΤΕ
ΖΗΟΥΣΒΡΑΖΤ
ΛΥΩΧΕΛΙΤΡΕΥ
40 ΜΟΥΡΜΠΕΚ
ΣΩΨΜΗΠΕΚ
ΨΠΕΕΖΟΥΗ
ΕΝΟΥΕΒΡΟΜ
ΠΕΚΗΙΕΥΣΗΖ

ΕΛΥΟΥΩΒΠ̄ΝΕΚ
ΜΗΜΟΟΥΕΤ̄Ν
ΖΕΝΨΟΨΟΥ
ΖΩΣΗΡ̄Π̄ΙΧ̄Ν
50 ΜΠ̄ΝΗ̄ΜΠ̄ΕΚ
Η̄, ΛΥΩΕΖΟΥΝ
Ζ̄ΜΠ̄ΕΚΡ̄Ο, Μ̄Ν
Π̄Ρ̄Ο̄Ν̄ΕΤ̄ΕΙ
ΝΕ̄ΜΜΟΚ, ΕΜ
55 Μ̄ΝΜ̄Π̄Τ̄Ρ̄Μ̄Ζ̄Ε
ΨΟΟΠ̄Ν̄ΕΤ̄
ΚΩ̄Ν̄Ζ̄Τ̄Η̄ῩΕ
ΚΡΟΝΟ̄Σ, ΕΤ̄Ε

ἦτοκπέμν
 νεττῆτῶν
 εροκζνμῆτ
 λπιστος. μῆ
 5 μῆτακαθαρτῶ
 νιμ = οὐν
 ζωὴλαφῶαχε
 ζῆνετακχο
 ουνετοῦμῆ
 10 τρεεροκαῖαχε
 ἐκηῖεπισατα
 νας. νεπιστο
 ληνεῖτακπα
 ζου. ἦ+σοοὺν

15

ΑΝ̄ΜΠΑ†ΧΟΟΥ

COY.ΧΕΚΝΑΠΑ

ZOY. ΠΕΩ̄ΒΡ

Ρ̄ΣΩΒ̄Ν̄ΝΕΝΤΑΥ

ΩΩΩΤ̄ΜΠΤΟΚ̄

20

ΜΠΕΓΡΑΜΜΑ

ΤΕΥΣ̄Ν̄Ν̄ΣΕΛΙΣ̄

ΜΠΧΩΩΜΕ̄Ν̄

ΝΩΛΧΕ̄ΝΤΑΝΕ

ΠΡΟΦΗΤΗΣΧΟ

25

ΟΥΣΕΝΑΥΣ̄Μ

ΠΡᾹΝ̄ΜΠΝΟΥ

ΤΕΛΥΝΟΧΟΥΕ

ΣΡᾹῙΕΝΧ̄ΒΒΕΣ̄

ΕΤΧΕΡ̄Ο —.

30 ἸΘΕΟΝ̄ΤΑΚ
ΧΟΟΣΧΕ̄ΡΩ
ΜΕΛΥΩΝΑΟΙ
ΚΟΝΟΜΟΣ̄ΧΙ
2ΝΑΥΝΑΨ· ΕΚ
35 ΤΑΜΟ̄ΜΜΟΝ
ΛΥΩΕΚΒΩΛ̄Π
ΕΒΟΛ̄ΗΤΕΚΚΑ
ΚΙΛ̄ΧΕ̄ΜΠΕΚΟΥ
ΩΩΑΝΠΕ̄ΕΤΡΕ
40 ἸΩΗΡΕ̄ΜΠΝΟΥ
ΤΕΧΙΟΥΠΡΟΣ
ΦΟΡΛ̄ΕΤΕ̄ΕΚ
ΚΛΗCΙΛ̄· ἩΕ
ῤΟΥΠΕΤΝΑ

45 ΝΟΥ̅Χ̅ΝΟΥ̅ΩΤ̅
ΖΜΠΡΑΝ̅ΝΙ̅C̅·
ΚΝΑΡΑΩ̅Ε̅ΕΚ
ΩΑΝCΩΤ̅Μ̅Χ̅Ε
ΛΥΒΩΚΕΜΜΑ̅
50 ΝΩ̅ΙΝ̅Ε̅Ν̅Δ̅ΛΙ
ΜΩ̅Ν̅. ΕΒΟΛΧ̅Ε
ΝΤΟΚ̅Ζ̅Ω̅Κ̅
ΚΟΥ̅Ω̅Τ̅ΛΥ̅Ω̅
ΚΩ̅Μ̅Ω̅Ε̅Μ̅Π̅C̅Ω̅
55 Ν̅Τ̅ΠΑΡΑΠ̅Ε̅Ν
ΤΑΥ̅C̅Ω̅Ν̅Τ̅Ν̅
ΚΑ̅Ν̅Ι̅Μ̅Ι̅C̅Π̅Ε̅Τ̅
CΜΑΜΑΛ̅Τ̅Ω̅Λ̅

ΕΝΕΞ̄ΝΕΝΕΞ̄ .

ΕΞΟΥΕCΩΤ̄Μ

ἩΕΝΑΥΕΡΟΥ

ΕΥΝΑΕΡΑΤ̄Μ

5 ΠΝΟΥΤΕΞ̄ΜΜΑ

ΝΙΜΕΤΟΥΕΠΙ

ΚΑΛΕῙΜΜΟC

ἩΞΗΤΟΥ, ΑΥΩ

ΕΥCΜΟΥΕΡΟC

10 ΕΥ†ΕΟΟΥΝΑC,

ἩΕΡΩΑΝΞΟΥΘ

ΕΝΜΗΗΩΕΝ

ΤΑΚΧΟΟCΧΕ

CΕΧΙΞΝΑΥΝΑC,

15

ΕΥΨΑΛΠΩΝΓ
 ΝΑΪΑ.Χ̄Ν†CΘ̄ΧΕ
 †Θ̄ΩΩΤ̄Η̄Μ

ΣΑΛΝΑΥΚΑΛΩC
 ΧΕΝΑΣΝΗΥΝΕ

20

ΕΪCΩΟΥΣΝΑΥ
 ΕΣΟΥΝΕΣΕΝ
 ΑΣΘ̄ΝΤΠΕ̄Ν
 ΝΕΤΟΥ†ΜΜΟ
 ΟῩΝΤΑΕΙΘ̄Μ

25

ΠΝΟΥΤΕ, ΜΗ
 Ἰ̄ΝΤΑῩΝΤΟΥΕ
 ΒΟΛ̄ΜΠΕΚΗ̄
 Μ̄ΠΗ̄ῙΝΕΚ
 ΕΙΘ̄ΤΕ, ΚΤΩ